पाठ योजना - इतिहास

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम -

विद्यालय का नाम -

दिनांक -

कक्षा - IX th खंड - A

अवधि - 40 min कालांश - II

विषय - इतिहास।

प्रकरण - फ्रांसीसी क्रांति।

उप-प्रकरण - फ्रांसीसी क्रांति के कारण।

सामान्य उद्देश्य -

1) छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि जाग्रत करना।

2) छात्रों में ऐतिहासिक दृष्टिकोण पैदा करना।

3) छात्रों में इतिहास के प्रति सम्मान की भावना पैदा करना।

4) छात्रों में लोकतांत्रिक सोच पैदा करना।

5) छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना।

6) छात्रों में नैतिकता का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य —

1) छात्र फ्रांसीसी क्रांति के कारणों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे। फ्रांसीसी क्रांति के कारणों की पहचान कर सकेंगे।

2) छात्र फ्रांसीसी क्रांति के कारणों की अपने शब्दों में व्याख्या कर सकेंगे। क्रांति के कारणों मे अंतर कर सकेंगे।

3) छात्र फ्रांसीसी क्रांति के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन मे प्रयोग कर सकेंगे।

4) छात्र फ्रांसीसी राजक्रांति से संबंधित स्थलों को विश्व मानचित्र पर देख सकेंगे।

* **शिक्षण विधि** — व्याख्यान सह प्रश्नोत्तरी।

* **शिक्षण सहायक सामग्री** —

1) सामान्य शिक्षण सहायक सामग्री →

सामान्य कक्षा कक्ष सामग्री।

2) विशिष्ट सहायक सामग्री —

1) फ्रांस के मानचित्र को दर्शाता चार्ट पेपर।

2) फ्रांसीसी राजक्रांति के प्रतीकों को दर्शाता प्रतिरूप (मॉडल)

पूर्वज्ञान — छात्रों को फ्रांसीसी राज्यक्रांति के सम्बंध में सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना प्रश्न —

क्रम	छात्राध्यापक प्रश्न	छात्र उत्तर
1)	विश्व की कुछ महान क्रांतियों के नाम बताइए	1857 की क्रांति। फ्रांसीसी राज्यक्रांति। रूसी औद्योगिक क्रांति।
2)	इनमें किस क्रांति में स्वतंत्रता, समानता तथा भाईचारे का नारा दिया गया?	फ्रांसीसी राज्यक्रांति।
3)	फ्रांसीसी राज्यक्रांति कब हुई थी?	1789 ई०
4)	इस क्रांति के क्या कारण थे।	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन — छात्रों आज हमलोग फ्रांसीसी राज्यक्रांति के कारणों एवं इसके कारणों के सवंध में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण –

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाकलाप	श्यामपट्ट कार्य
फ्रांसीसी राजक्रांति	फ्रांसीसी राजक्रांति विश्वइतिहास की एक अतिमहत्वपूर्ण घटना है यह क्रांति जुलाई 1789 ई० में बूर्बो राजवंश के शासक लुई XVI के अनियंत्रित राजतंत्र के खिलाफ हुई थी। T.Q- फ्रांस का शासक कौन था? लुई-XVI	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं महत्वपूर्ण बिन्दुओं को अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	फ्रांसीसी राजक्रांति 1789 बूर्बो राजवंश लुई XVI
फ्रांसीसी राजक्रांति के कारण	इस क्रांति की पृष्ठभूमि कई कारणों से तैयार हुई थी जिसमें सामाजिक आर्थिक राजनीतिक सभी कारण मौजूद थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	क्रांति के कारण
सामाजिक कारण	समाज तीन स्टेट्स में बटा था। प्रथम स्टेट्स में पादरी दूसरे स्टेट्स में कुलीन वर्ग तथा तीसरे स्टेट्स में किसान मजदूर तथा मध्यम वर्ग आता था ये तीसरा स्टेट्स बाकी के दो स्टेट्स द्वारा शोषित था।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	समाज के तीन स्टेट्स प्रथम द्वितीय तृतीय

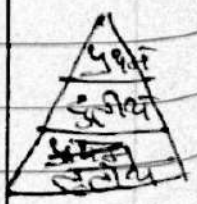

पुनरावृत्ति प्रश्न -

1) फ्रांसीसी राजक्रांति के समय फ्रांस का शासक कौन था?

2) फ्रांसीसी समाज कितने एस्टेट्स में बटा था?

3) किसान तथा मजदूर किस एस्टेट्स में आते थे।

वृहद कार्य -

फ्रांसीसी समाज की वर्ग व्यवस्था या एस्टेट्स की व्यवस्था को चित्र के माध्यम से पेपर पर दर्शाएं।